NACO

National AIDS Control Organisation

India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections

Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

www.naco.gov.in

सत्यमेव जयते

Ministry of Health & Family Welfare

Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Cabinet approves the Phase-V of the

National AIDS Control Programme

The NACP Phase-V will anchor India's National AIDS response towards the attainment of Sustainable Development Goal 3.3 of ending of HIV/AIDS epidemic as a public health threat by 2030

नाको समाचार

जनवरी-मार्च 2021

विषय सूची

- महानिदेशक की क़लम से 03
- निदेशक की क़लम से 04
- संपादक की क़लम से 05
- कैबिनेट ने नाको पाँचवा चरण के लिए मंजूरी दी 06
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पाँचवें चरण कार्यनीति का प्रसार 07
- उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान का तीसरा महा-आयोजन 08
- राष्ट्र स्तरीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 11
- कार्यक्रम प्रबंधन के विषय पर मास्टर प्रशिक्षकों का राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण 13
- संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के अंतर्गत तीन पायलट राज्यों के साथ 'प्रस्ताव विकास एवं कार्यान्वयन योजना' विषय पर कार्यशाला 13
- हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की समीक्षा बैठक 15
- नाको नैतिकता समिति की 16वीं बैठक 16
- ब्राउन बैग संगोष्ठी शृंखला – एक क्रॉस सस्थागत सहयोग 16
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम की समीक्षा 17
- एड्सकॉन - 11 18
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम कार्यान्वयन में राज्यों के प्रदर्शन संकेतक 18
- पुडुच्चेरि की स्टेट एड्स काऊंसिल की बैठक एच.आई.वी. और एड्स (निवारण और नियंत्रण) कानून के अंतर्गत शिकायत अधिकारियों का प्रशिक्षण 20
- नाको अधिकारियों का अंडमान व निकोबार द्वीप समूह और पश्चिम बंगाल का दौरा 21
- बिहार में एच.आई.वी. और एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत नामित लोकपाल और शिकायत अधिकारियों का उन्मुखीकरण 21
- दूसरा राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर शिखर सम्मेलन 22
- आज़ादी का अमृत महोत्सव का तीसरा चरण और आइकॉनिक सप्ताह की झलकियाँ 23
- मुख्य संकेतकों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की स्थिति 26

महानिदेशक की क़लम से

प्रिय पाठको,

मैं नाको समाचार 2022 के पहले अंक में आप सभी का स्वागत करता हूँ।

मुझे हमारे पाठकों को यह बात बताते हुए ख़ुशी हो रही है कि माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में राष्ट्रीय एड्स एवं एस.टी.डी. नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) को 1 अप्रैल, 2021 से लेकर 31 मार्च, 2026 की पंचवर्षीय अवधि के लिए रु 15,471.94 करोड़ के परिव्यय के साथ जारी रखने का अनुमोदन दे दिया है । इसी के साथ नई कार्यवाही के एक दशक की शुरुआत हो गई है जिससे भारत में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एड्स की महामारी का अंत देखने को मिलेगा।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण, राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया की गति बढ़ाने के लिए एच.आई.वी. तथा एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 2017, परीक्षण व उपचार कार्यनीति, सार्वत्रिक वायरल लोड परीक्षण, मिशन संपर्क, समुदाय-आधारित स्क्रीनिंग और डोलुटेग्रेविर-आधारित उपचार योजना जैसी क्रांतिकारी पहलो को आधार बनाकर आगे बढ़ेगा। हालाँकि यह कार्यक्रम मौजूदा हस्तक्षेपों को बनाए रख रहा है, उनका उपयुक्ततमीकरण/प्रयोजन परिवर्तन, और वर्धन कर रहा है; पर भौगोलिक और समुदाय विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए साक्ष्य-समर्थित नई कार्यनीतियाँ अपनाकर, पायलट स्तर पर संचालित की जाएँगी, और फिर उनका स्तर बढ़ाया जाएगा। पाँचवें चरण का मंत्र है, “Break the Silos and Bring synergy”.

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण, अपेक्षाकृत नई चुनौतियों पर प्रतिक्रिया दे रहा है, जैसे कुछ स्थानों और जनसमूहों में महामारी का उभरना और फैलना, संबंधित सह-रुग्णताओं की अधिक व्यापकता, साथी खोजने के लिए वर्चुअल मंचों का उपयोग आदि। संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति, वन स्टॉप केंद्र, वर्चुअल हस्तक्षेप, समुदायिक सुदृढीकरण तंत्र, एच.आई.वी./एड्स के लिए ज़िला एकीकृत रणनीति, एकीकृत और वर्धित निगरानी तथा महामारी विज्ञान आदि जैसी मुख्य पहल का कार्यान्वित शुरु किया जा चुका हैं। सामरिक जानकारी के आधार पर संचालित कार्यनीतियाँ जो लाभार्थी और समुदाय को केंद्र में रखती हैं, प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाती हैं, और साथ ही भागीदारी को भी काम में लाती हैं, ये कार्यनीतियाँ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण का मुख्य आधार हैं। इसमें सोशल मीडिया से निरंतर लाभ लेना शामिल है जिससे कार्यक्रम की पहुँच बढ़ेगी और व्यवहार में बदलाव लाने वाले संदेशों में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवा चरण की प्राथमिकताओं की अनुरूपता में, हाल ही में त्रिपुरा के अगरतला में उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान आयोजित किया गया था। इस आयोजन में पचास हज़ार से भी अधिक दर्शकों ने भाग लिया। मैं सभी उत्तर पूर्वी राज्यों को बधाई देता हूँ कि उन्होंने क़दम बढ़ाया और आपसी सहयोग के माध्यम से आयोजन की सफलता सुनिश्चित की। मैं सभी राज्यों को उपयुक्त जागरुकता अभियान संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ क्योंकि ये अभियान 99.5% से भी अधिक वयस्क जनसंख्या को एच.आई.वी. से मुक्त रखने में उल्लेखनीय योगदान देंगे।

मैं आशा करता हूँ कि आपको यह अंक पढ़ने में आनंद मिलेगा और आप इसे आगे अपने समकक्षों से साझा करेंगे ताकि वे भी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के मौजूदा हस्तक्षेपों के बारे में जान सकें।

शुभकामनाएँ।

आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

मसौदा निदेशक की क़लम से

नमस्कार,

मैं नाको समाचार 2022 के पहले अंक में आप सभी पाठकों का स्वागत करती हूँ।

मैं यह बताना चाहूँगी कि हमने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कई उल्लेखनीय गतिविधियों के साथ कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही पूरी कर ली है।

यह पहली तिमाही बहुत सफल रही है और मैं यहाँ यह बताना चाहती हूँ कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने राष्ट्रीय एड्स एवं एस.टी.डी. नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवे चरण को जारी रखने का अनुमोदन दे दिया है। यह ख़ुशी का पल तो है ही, साथ-ही-साथ यह पल सार्वजनिक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एड्स को 2030 तक समाप्त करने की हम सभी की प्रतिबद्धता को याद करने का भी है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण एच.आई.वी. और एड्स से सम्बधित देश की प्रतिक्रिया को मज़बूती देने में मदद देगा और इसमें ऐसे विशिष्ट हस्तक्षेप हैं जो 99.5% से अधिक वयस्क जनसंख्या को एच.आई.वी. से मुक्त रखेंगे। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण की नई कार्यनीतियों की जानकारी नाको समाचार के माध्यम से दी जा रही है।

नाको एक बार फिर उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान के माध्यम को उत्तर पूर्वी राज्यों की सहभागिता को आगे लाने में सफल हुआ है। मुझे यह बताते हुए बेहद ख़ुशी है कि इस आयोजन में पचास हज़ार से भी अधिक दर्शकों ने भाग लिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि युवाओं की सहभागिता के माध्यम से हम एच.आई.वी. जागरुकता के जिन संदेशों को फैलाना चाहते हैं वे इन राज्यों के कोने-कोने तक पहुँचेंगे।

नीति आयोग की पहल, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव ' अभियान में युवाओं के जुड़ाव को राष्ट्रव्यापी सफलता मिली है। माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी ने अगस्त 2021 में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'न्यूइंडिया@75' के पहले चरण की शुरुआत की थी और नाको तब से ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करता आ रहा है। 'न्यूइंडिया@75' के अगले दो चरण अक्तूबर और दिसंबर 2021 में शुरू किए गए थे, और इन गहन चरणों के माध्यम से, एच.आई.वी. और एड्स से जुड़े मुद्दों पर जागरुकता फैलाने के लिए दस लाख से भी अधिक युवाओं को एकजुट किया जा चुका है। इसी दिशा में, 12 जनवरी, 2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नाको ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव ' के अंतर्गत एक और प्रमुख गतिविधि संचालित की जिसका नाम 'आइकॉनिक सप्ताह है। इसमें, गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से युवाओं से जुड़े मुद्दों पर बात की गई। इसके माध्यम से हमने सतत विकास लक्ष्य सं. 5 में भी योगदान दिया जो लैंगिक समानता और सशक्तीकरण प्राप्त करने के बारे में बात करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि ये गतिविधियाँ युवाओं और किशोरों के मन में दीर्घस्थायी छाप छोड़कर, उनके लिए सोच-समझकर निर्णय लाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएँगी।

मुझे आशा है कि ये सारी पहलें राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तय लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

शुभकामनाएँ!

निधि केसरवानी
निदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

मसौदा संपादक की क़लम से

प्रिय पाठको,

2022 की पहली तिमाही की नाको समाचार में आपका स्वागत है।

मैं जनवरी माह में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि होने के बावजूद कार्यक्रम का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्यों द्वारा किए गए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित करने में प्रयासों की सराहना करता हूँ।

राज्य स्तर की सर्वोत्तम गतिविधयों पर मुड़कर नज़र डालने और भावी अपेक्षाओं व उन गतिविधयों के बीच के फ़ासले को मापने पर हमने पाया है कि हमने एक बार फिर, वार्षिक कार्य योजनाओं के रूप में अगले वित्तीय वर्ष का ख़ाका तैयार कर लिया है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियाँ गतिविधियों का पालन करें और उन्हें समय से पूर्ण करने के लिए अपने प्रयास केंद्रित करें, ताकि हम राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवा चरण के दूसरे वर्ष में उल्लेखनीय योगदान दे सकें। इससे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम उस दिशा में आगे बढ़ेगा जिसकी 'सार्वजनिक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एच.आई.वी./एड्स महामारी को 2030 तक समाप्त करने' की हमारी प्रतिबद्धता के लिए बहुत आवश्यकता है।

हम सभी यह समझते हैं कि सतत विकास लक्ष्यों को समय से पाने के लिए युवाओं की सहभागिता कितनी महत्वपूर्ण है; ये ऐसे लक्ष्य एक ऐसा दृष्टिकोण हैं जिनके लिए पूरा विश्व प्रतिबद्ध है। नाको ने भी हमेशा से इसी दिशा में कार्य किया है और यही कारण है कि कार्यक्रम के हर हस्तक्षेप में युवा एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक रहे हैं। इसी दिशा में, मुझे यह बताते हुए बहुत ख़ुशी है कि अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे 'आइकॉनिक सप्ताह', 'राष्ट्रीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी' और उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया का तीसरा अभियान का महा-आयोजन, सफलतापूर्वक संचालन कर लिया गया है। मैं दो प्रमुख राष्ट्र-स्तरीय गतिविधियों के संचालन के लिए त्रिपुरा राज्य एड्स सोसायटी की ओर से किए गए प्रयासों के लिए उन्हें बधाई देता हूँ।

साथ ही, व्यापक रोकथाम डिलीवरी पैकेज के साथ 'जोखिम में मौजूद' जनसमूहों तक पहुँचने के उद्देश्य से संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के लिए तीन पायलट राज्यों के साथ 'प्रस्ताव विकास एवं कार्यान्वयन योजना' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। मुझे पूरा विश्वास है कि कार्यशाला के दौरान मिले योगदानों से यह पहल और मज़बूत होगी और एक ठोस कार्यान्वयन योजना की रचना होगी।

लांछन और भेदभाव को समाप्त करना ऐसा ही एक और क्षेत्र है जिस पर अत्यधिक ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, और मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि एच.आई.वी. एवं एड्स (निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 ने तेज़ गति पकड़ ली है और आठ राज्यों ने शिकायत अधिकारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। मैं असम और पश्चिम बंगाल राज्यों को भी अपने राज्य नियम अधिसूचित करने के लिए बधाई देता हूँ। मैं यह भी बताना चाहूँगा कि मज़बूत शिकायत निवारण तंत्र सुनिश्चित करने के लिए इस तिमाही के दौरान बिहार और पुडुच्चेरि में शिकायत अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया था।

भारत सरकार और नाको राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने और एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित व प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में नाको के नेतृत्व ने आरंभ से अंत तक मार्गदर्शन दिया है और राज्य व ज़िला स्तर के सभी हितधारकों ने अनथक कार्य किया है, जिसके लिए मैं नाको के नेतृत्व और उक्त सभी हितधारकों के प्रति गहन आभार व्यक्त करता हूँ। मैं आगामी तिमाही के लिए आप सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ।

अच्छा कार्य करते रहें और सुरक्षित रहें।

शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. अनूप कुमार पुरी
उपमहानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

कैबिनेट ने नाको पाँचवा चरण के लिए मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की केंद्रीय मंत्रिमडल समिति ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवें चरण को रु 15,471.94 करोड़ के परिव्यय के साथ अनुमोदित करके उक्त कार्यक्रम को 1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2026 तक जारी रखने को अनुमोदन दे दिया है; यह कार्यक्रम एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसका पूर्ण वित्तपोषण भारत सरकार करती है।

भारत सरकार ने 1992 में राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया आरंभ की थी और तब से इसने चार चरण पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का चौथा चरण (विस्तार) 31 मार्च, 2021 को पूरा हुआ था।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय एड्स प्रतिक्रिया को पूरे विश्व में एक अत्यंत सफल कार्यक्रम माना जाता है। भारत में एच.आई.वी. के नए वार्षिक संक्रमणों में 48% की कमी आई है जबकि वैश्विक औसत का आँकड़ा 31% है (आधार-रेखा वर्ष 2010)। एड्स संबंधी वार्षिक मौतों में 82% की कमी आई है जबकि वैश्विक औसत का आँकड़ा 42% है (आधार-रेखा वर्ष 2010)। फलस्वरूप भारत में एच.आई.वी. की व्यापकता कम बनी हुई है; वयस्क एच.आई.वी. व्यापकता का आँकड़ा 0.22% है।

वर्ष 2014 के बाद कई क्रांतिकारी क़दम उठाए गए, जैसे एच.आई.वी./एड्स (निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017, परीक्षण व उपचार नीति, सार्वत्रिक वायरल लोड परीक्षण, मिशन संपर्क, समुदाय आधारित स्क्रीनिंग, और डोलुटेग्रेविर-आधारित उपचार योजना आदि; इन सभी ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की सफलता को बढ़ाया है। फलस्वरूप, लगभग 14.20 लाख एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्ति कार्यक्रम द्वारा समर्थित केंद्रों से आजीवन, निःशुल्क, उच्च-गुणवत्ता एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी ले रहे हैं। यह समूह, सरकारी वित्तपोषण वाले उपचार कार्यक्रमों के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्तियों की जांच समूह में से एक है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का पाँचवाँ चरण रोकथाम उपचार सम्बन्धि सेवाओं के व्यापक पैकेज के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के स्थायी विकास लक्ष्य 3.3, यानि वैश्विक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एच.आई.वी./एड्स महामारी को समाप्त करने में योगदान देगा।

लाभ:

- रोकथाम-जांच उपचार सेवाओं के अनुकूलित पैकेज के साथ प्रतिवर्ष लगभग 8 करोड़ लोगों को कवर किया जाएगा।
- 99.5% से अधिक वयस्क जनसंख्या को एच.आई.वी.-मुक्त रखा जाएगा।
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पाँचवें चरण में लगभग 27 करोड़ एच.आई.वी. परीक्षण किए जाएँगे, जिनमें से लगभग 14 करोड़ परीक्षण गर्भवती महिलाओं के होंगे।
- परियोजना अवधि के अंत में 21 लाख एच.आई.वी.-संक्रमित लोग एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी ले रहे होंगे।
- वायरल लोड दमन की प्राप्ति की दिशा में उपचार की प्रभावशीलता की निगरानी करने के लिए, एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी ले रहे एच.आई.वी.-संक्रमित लोगों के लगभग 80 लाख वायरल लोड परीक्षण किए जाएँगे।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पाँचवें चरण कार्यनीति का प्रसार

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) पाँचवें चरण (2021-26) में प्रवेश कर चुका है। एन.ए.सी.पी. चरण-पाँच (2021-26) और परियोजना निदेशकों हेतु राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम चरण-पाँच पर राष्ट्र स्तरीय संवेदीकरण कार्यक्रम के आरंभोपरांत, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पाँचवें चरण कार्यनीति प्रसार बैठक आभासी विधि से आयोजित की गई। यह बैठक समुदायों, नागरिक समाज और भागीदारों के बीच राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पाँचवें चरण कार्यनीति का प्रसार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस सहकार्यपूर्ण बैठक का आयोजन नाको और यू.एन.एड्स द्वारा किया गया था। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिर्देशक, नाको, श्री डेविड ब्रिजर, यू.एन.एड्स कंट्री निदेशक, भारत, श्री ईमन मर्फी, उप कार्यकारी निदेशक, यूएनएड्स, डॉ. जे. वी. आर. प्रसाद राव, भूतपूर्व सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ. रमन गंगखेडकर, भूतपूर्व महामारी विज्ञान एवं संचारी रोग प्रमुख, आई.सी.एम.आर., डब्ल्यू.एच.ओ. एस.ई.ए.आर.ओ., पी.ई.पी.एफ़.ए.आर.-सी.डी.सी. एवं अन्य भागीदार प्रतिनिधि और साथ में समुदाय और नागरिक समाज के प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ नाको अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिर्देशक, नाको ने बैठक में मुख्य संबोधन दिया और अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

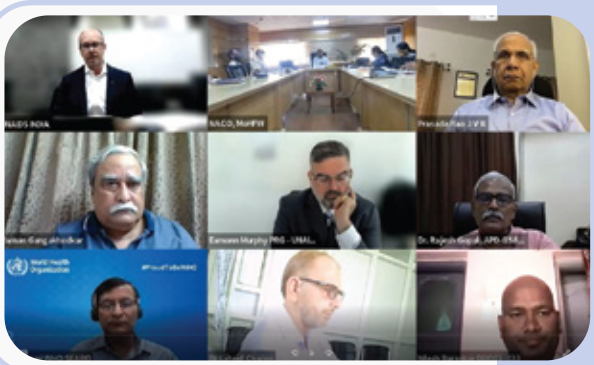

उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान का तीसरा महा-आयोजन

त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने 25 मार्च, 2022 को त्रिपुरा के अगरतला में स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान में उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान के तीसरा चरण का महा-आयोजन किया। यह आयोजन अत्यंत सफल रहा जिसमें पचास हज़ार से भी अधिक दर्शकों ने भाग लिया।

मल्टी-मीडिया अभियान एक विशेष पैकेज है जिसे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2009 से उत्तर पूर्व के राज्यों को दिया जा रहा है। इस पैकेज के अंतर्गत, एच.आई.वी. और एड्स के बारे में जागरुकता, सहानुभूति, शिक्षण और सहायता को बढ़ावा देने के लिए सभी उत्तर पूर्वी राज्यों में विशेष गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। इस वर्ष का महा-आयोजन अपनी तरह का तीसरा आयोजन था जिसमें आठ राज्यों के बैंड और एकल कलाकारों ने एक साझा मंच पर अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व किया। यह तीसरा संस्करण सहभागी विधा में संचालित किया गया था, ताकि संगीत व शैली के साथ साथ एच.आई.वी. से जुड़े जागरूकता संदेशों को भी महत्ता मिले।

इस वर्ष के प्रतिनिधि बैंड इस प्रकार थे:

- मॉरफ़िन्स – सिक्किम
- रेड रिबन बैंड – त्रिपुरा
- खनिंद्र बर्मन एंड बैंड – असम
- ईकोज़ ऑफ़ मर्सी – मणिपुर
- निंक्स – मेघालय
- डॉरमेंट – अरुणाचल प्रदेश
- एकल कलाकार, सुनेप लेमतुर – नागालैंड
- एकल कलाकार, जेरी – मिज़ोरम

उत्तर पूर्व मल्टी-मीडिया अभियान के महा-आयोजन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे:

- एच.आई.वी./एड्स के मुद्दे को अधिक स्पष्ट बनाना,
- एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मिथ्या को दूर कर लांछन और भेदभाव का स्तर घटाना,
- एच.आई.वी./एड्स. के बारे में सामान्य जागरुकता को बढ़ाना।
- युवाओं में सुरक्षित और ज़िम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना,
- एच.आई.वी./एड्स संबंधी सेवाओं को बढ़ावा देना, विशेष रूप से एच.आई.वी. परीक्षण को, और

एकल कलाकार, जेरी – मिज़ोरम

ईकोज़ ऑफ़ मर्सी – मणिपुर

मॉरफ़िन्स – सिक्किम

निंक्स – मेघालय

रेड रिबन बैंड – त्रिपुरा

खनिंद्र बर्मन एंड बैंड – असम

एकल कलाकार, सुनेप लेमतुर – नागालैंड

डॉरमेंट – अरुणाचल प्रदेश

इस आयोजन को सुश्री प्रतिमा भौमिक, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय, श्री सुशांत चौधरी, माननीय मंत्री, युवा मामले एवं खेल विभाग, त्रिपुरा सरकार, श्री मनोज कांति देब, माननीय मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा सरकार, श्री मेवार कुमार जमतिया, माननीय मंत्री, जनजाति कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार, श्री राम प्रसाद पॉल, माननीय मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार, श्री दीपक मजूमदार, माननीय महापौर, अगरतला नगर निगम, श्रीमती कल्याणी रॉय, मुख्य सचेतक, त्रिपुरा विधानसभा, श्री कुमार आलोक, मुख्य सचिव, त्रिपुरा सरकार और श्री वाय.एस. यादव, डी.जी.पी. भारतीय पुलिस सेवा त्रिपुरा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सुशोभित किया। आयोजन में नाको और त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान गोचीराम पारा होजागीरी सांस्कृतिक नृत्य दल ने 'होजागीरी' नामक विशेष नृत्य प्रस्तुत किया। प्रसिद्ध बॉलीवुड गायकों श्री कुमार सानू, सुश्री पलक मुच्छल, श्री पलाश मुच्छल और सुश्री सौरभी देब्बर्मा ने भी एच.आई.वी. और एड्स के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए आयोजन के दौरान प्रस्तुतियाँ दी।

राष्ट्र स्तरीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नाको द्वारा राष्ट्र स्तरीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 24 मार्च, 2022 को अगरतला त्रिपुरा में किया।

रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ आम तौर पर रेड रिबन क्लब कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की जाती हैं; रेड रिबन क्लब कार्यक्रम भारत सरकार का एक प्रयास है जिसे एच.आई.वी. और ट्यूबरकुलोसिस जैसे रोगों की रोकथाम के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के सहयोग के साथ संचालित किया जाता है। रेड रिबन क्लब कार्यक्रम महाविद्यालयों के छात्रों को आयु-उपयुक्त जानकारी देने, एच.आई.वी. से सम्बन्धित जागरुकता फैलाने इससे सम्बन्धित भेदभाव को कम करने तथा स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ने के लिए मंच प्रदान करता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के बाद राज्यों के बीच में क्षेत्रीय स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने इस गतिविधि को अगले स्तर पर ले जाते हुए 2021 में सबसे पहली राष्ट्र स्तरीय रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की। इस वर्ष की प्रतियोगिता ऐसा द्वितीय आयोजन था जिसमें चार क्षेत्रों के विजेताओं ने हिस्सा लिया – उत्तरी क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में चंडीगढ़ केंद्र शासित क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में राजस्थान राज्य, पूर्वी क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में नागालैंड राज्य, और दक्षिणी क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में महाराष्ट्र राज्य। ये दल ज़िला, राज्य, उप-क्षेत्रीय और क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर पहुँची थीं; इस वर्ष इस प्रतियोगिता का विजेता नागालैंड है। ग्रांड फ़िनाले में चार राउंड थे और हर राउंड में 16 प्रश्न पूछे गए थे।

वर्तमान में देश में 12,500 से भी अधिक रेड रिबन क्लब कार्यरत हैं।

प्रतिभागी

कार्यक्रम के दौरान नृत्य प्रदर्शन

नागालैंड दल विजेता चेक प्राप्त करते हुए

सभी क्षेत्रों के प्रतिभागी मंच पर

कार्यक्रम प्रबंधन के विषय पर मास्टर प्रशिक्षकों का राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण

नाको के कार्यक्रम प्रबंधन एवं समीक्षा संभाग ने नई दिल्ली में चार-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) आयोजित किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको द्वारा हुआ और इसमें अलग-अलग संवर्गों के 41 चयनित मास्टर प्रशिक्षक थे जो 21 राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों की राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और तकनीकी सहायता इकाइयों के विभिन्न संभागों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

इस दिशा में अगला चरण अत्यंत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि ये मास्टर प्रशिक्षक अपने-अपने राज्यों में कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए, यानि राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, तकनीकी सहायता केंद्र और जिला एड्स नियंत्रण यूनिट के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षणों की श्रृंखला संचालित करेंगे और जहाँ-जहाँ आवश्यकता होगी वहाँ अन्य राज्यों की सहायता करेंगे।

संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के अंतर्गत तीन पायलट राज्यों के साथ 'प्रस्ताव विकास एवं कार्यान्वयन योजना' विषय पर कार्यशाला

नाको ने संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के अंतर्गत 3 पायलट राज्यों के साथ 'प्रस्ताव विकास एवं कार्यान्वयन योजना' विषय पर एक दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता नाको के भूतपूर्व डी.डी.जी. और संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति कार्य समूह के अध्यक्ष डॉ. नरेश गोयल ने वर्चुअल माध्यम से की।

संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के पायलट हस्तक्षेप को लागू करने वाले तीन राज्यों, गुजरात, पंजाब और तेलंगाना के राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और उनके तकनीकी सहायता केंद्र के प्रतिनिधियों कार्यशाला में सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान, तीनों राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने पहचाने गए 10 ज़िलों, यानि गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट, पंजाब के अमृतसर,

लुधियाना और पटियाला, और तेलंगाना के हैदराबाद, रंग रेड्डी और वारंगल के लिए 'केंद्र आकलन टूल' से प्राप्त निष्कर्ष और 'व्यापक कार्यान्वयन योजना का मसौदा' तथा प्रस्ताव प्रस्तुत किए। संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के कार्य समूह सदस्यों और विशेषज्ञों ने राज्यों को उनके संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति प्रस्तावों को बेहतर बनाने के विचार और सुझाव प्रदान किए।

तीनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने प्राप्त विचारों के आधार पर अपनी-अपनी संशोधित कार्यान्वयन योजनाएँ और प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इस सत्र ने कार्यान्वयन योजना को और मज़बूत बनाने के लिए अतिरिक्त फ़ीडबैक और विचार-विमर्श का मंच एवं अवसर प्रदान किया। अगले चरण के रूप में राज्यों की ओर से विस्तृत कार्यान्वयन योजना और बजट से युक्त प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित हैं।

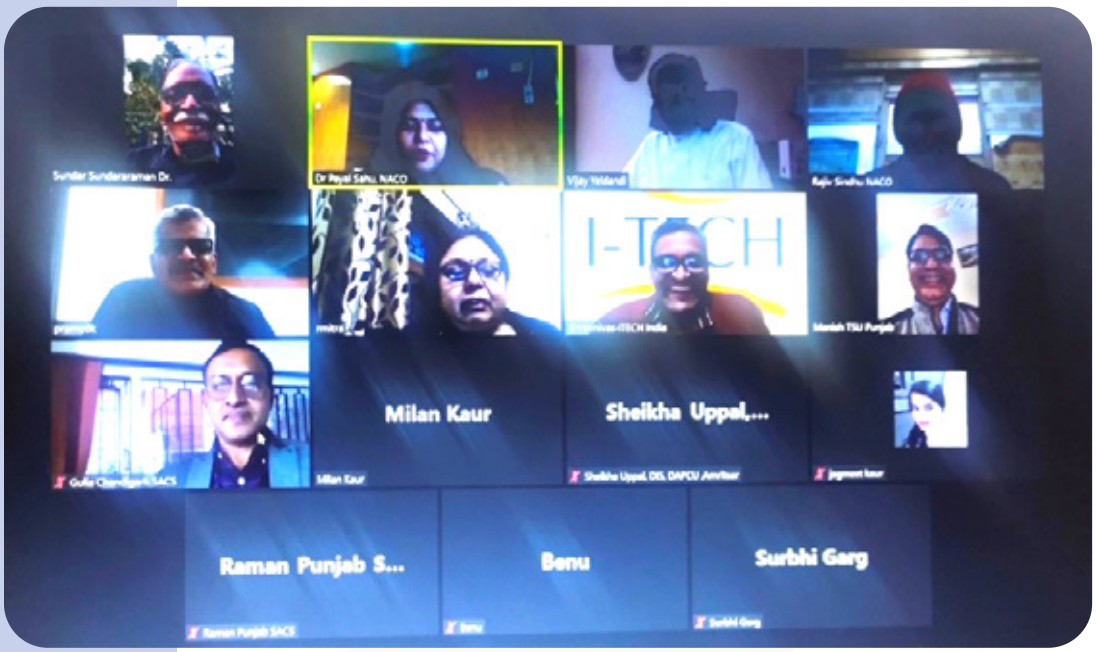

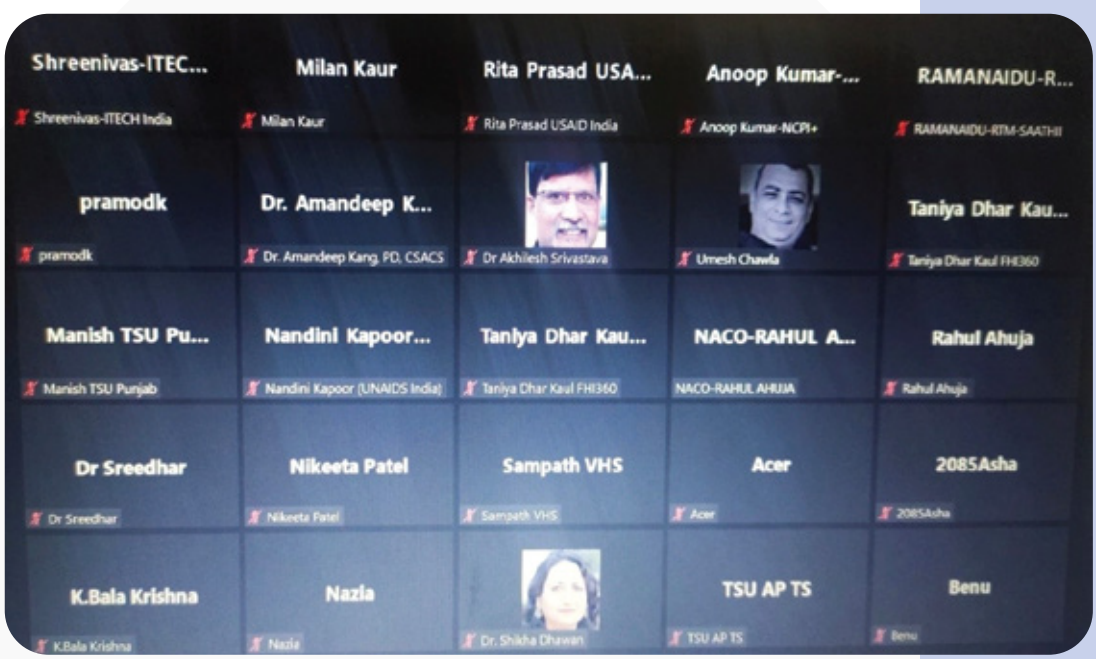

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की समीक्षा बैठक

11 मार्च, 2022 को श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान सभी घटकों, यानि लक्षित हस्तक्षेपों, मूलभूत सेवाओं, देखभाल सहायता एवं उपचार, प्रयोगशाला सेवाओं, सूचना शिक्षा और संचार और कार्यनीतिक सूचना की समीक्षा की गई और हर एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्तियों को रु 2500/- की पेंशन प्रदान करने की सामाजिक सुरक्षा योजना की उत्तम गतिविधियाँ भी साझा की गईं। इस समीक्षा बैठक में नाको के वरिष्ठ अधिकारियों, परियोजना निदेशक, हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, अतिरिक्त परियोजना निदेशक, के संबंधित संभागों के अधिकारियों और तकनीकी सहायता केंद्र अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य चर्चाएँ निम्नलिखित मुद्दों से संबंधित थीं:

- 6 नए लक्षित हस्तक्षेप के एकीकरण को तेज़ किया जाना।
- टी.जी./हिजड़ों और जोखिम में मौजूद अन्य जनसमूहों की एच.आई.वी. परीक्षण कवरेज को बेहतर बनाना।
- गर्भवती महिलाओं में सिफिलिस के परीक्षण में वर्धन करना।
- एच.आई.वी.-पॉज़िटिव महिलाओं के लिए, वित्तीय वर्ष 2020-21 तथा वित्तीय वर्ष 2021-22 का संपूर्ण माँ से बच्चे में एच.आई.वी. संचरण के उन्मूलन का सोपान तैयार करना।
- एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी केंद्रों में एल.एफ़.यू. के आँकड़ों की समीक्षा करना। 'मिशन संपर्क' पहल की अनुरूपता में सभी एल.एफ़.यू. की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग करना और ठोस परिणामों को दस्तावेज़ीकृत करना।
- मौजूदा वित्तीय दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, वर्तमान वित्त वर्ष की शेष अवधि में व्यय को अधिकतम करना।

नाको नैतिकता समिति की 16वीं बैठक

नाको नैतिकता समिति राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के भीतर शोध पारितंत्र का एक मज़बूत स्तंभ है। चूँकि नाको एक साक्ष्य-आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम है, अतः नाको में शोध और मूल्यांकन से प्राप्त शोध और साक्ष्य-आधारित परिणाम कार्यक्रम के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नाको नैतिकता समिति की 16वीं बैठक 14 फ़रवरी, 2022 को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। नाको नैतिकता समिति की इस बैठक का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर नए शोध प्रस्तावों और जारी शोध परियोजनाओं की समीक्षा करने के उद्देश्य किया गया था। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको की ने परिचय सत्र के दौरान सम्बन्धित करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, नाको ने परिचय सत्र के दौरान अपने विचार साझा किए। बैठक में नाको नैतिकता समिति के सदस्यों, परियोजना के प्रधान अन्वेषकों और अध्ययन दल ने भी भाग लिया।

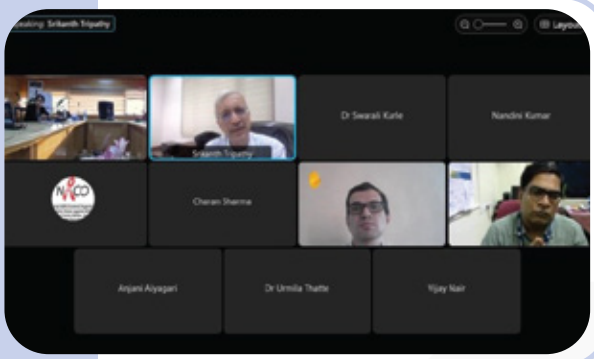

ब्राउन बैग संगोष्ठी शृंखला – एक क्रॉस सस्थागत सहयोग

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपनी क्षमता निर्माण पहल के हिस्से के रूप में विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता रहता है। पार-संस्थानिक सहकार्य और क्षमता वर्धन की भावना की अनुरूपता में, 2016 में ब्राउन बैग संगोष्ठी श्रृंखला आरंभ की गई थी जिसका लक्ष्य था एच.आई.वी./एड्स के क्षेत्र के नए घटनाक्रमों और शोध के बारे में नाको, विकास भागीदारों और अन्य मुख्य हितधारकों को जानकारी प्रदान करना और उनकी क्षमताओं तथा ज्ञान में वर्धन करना है।

इस श्रृंखला के भाग के रूप में, श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको की अध्यक्षता में 'एच.आई.वी., सचल स्वास्थ्य एवं कार्यान्वयन विज्ञान' (Mobile Health & Implementation Sciences) विषय पर एक वर्चुअल सेशन का आयोजित किया गया था। यह वार्ता जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में चिकित्सा, महामारी विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य के सहायक प्राध्यापक डॉ लैरी विलियम चैंग ने प्रस्तुत की जिसमें नाको के वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यक्रम प्रबंधकों, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों और तकनीकी सहायता इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विकास एवं कार्यान्वयन भागीदारों, नागरिक समाज और समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

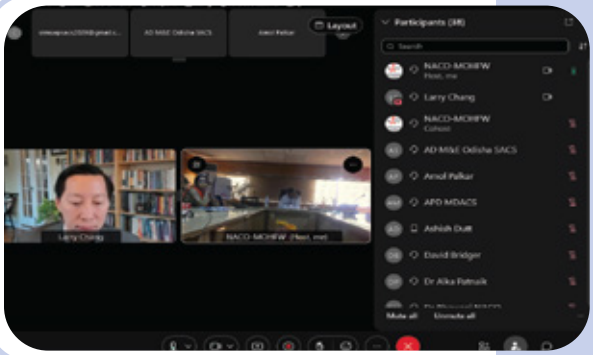

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम की समीक्षा

राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम की वार्षिक समीक्षा बैठक दो बैचों, 10 से 13 जनवरी और 20 से 21 जनवरी, 2022 में संचालित की गई।

बैठक का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए अनुमोदित लक्षित हस्तक्षेप वार्षिक कार्य योजना (ए.ए.पी.) के सापेक्ष राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करना, और अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित वार्षिक कार्य योजनाओं पर आगे की चर्चा करना था। इससे राज्यों और तकनीकी सहायता इकाइयों के साथ क्रोस लर्निंग का अवसर भी मिला। यह बैठक 95-95-95 लक्ष्यों से संबंधित राज्य-वार उपलब्धियों और चुनौतियों पर केंद्रित थी जिन्हें राज्य प्रस्तुतियों के अंतर्गत कवर किया गया, और प्रस्तुतियों में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के परिभाषित संकेतकों पर उनके कार्यक्रम प्रदर्शन के विश्लेषण भी शामिल थे। राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी अधिकारियों ने मार्गदर्शन के लिए लक्षित हस्तक्षेप और लिंक वर्कर योजना से संबंधित कमियों पर भी विस्तार से चर्चा की, और साथ ही उन्होंने बचत की उपलब्धता और राज्य की प्राथमिकताओं की अनुरूपता में वित्तीय कार्य योजनाओं के विकास पर भी चर्चा की।

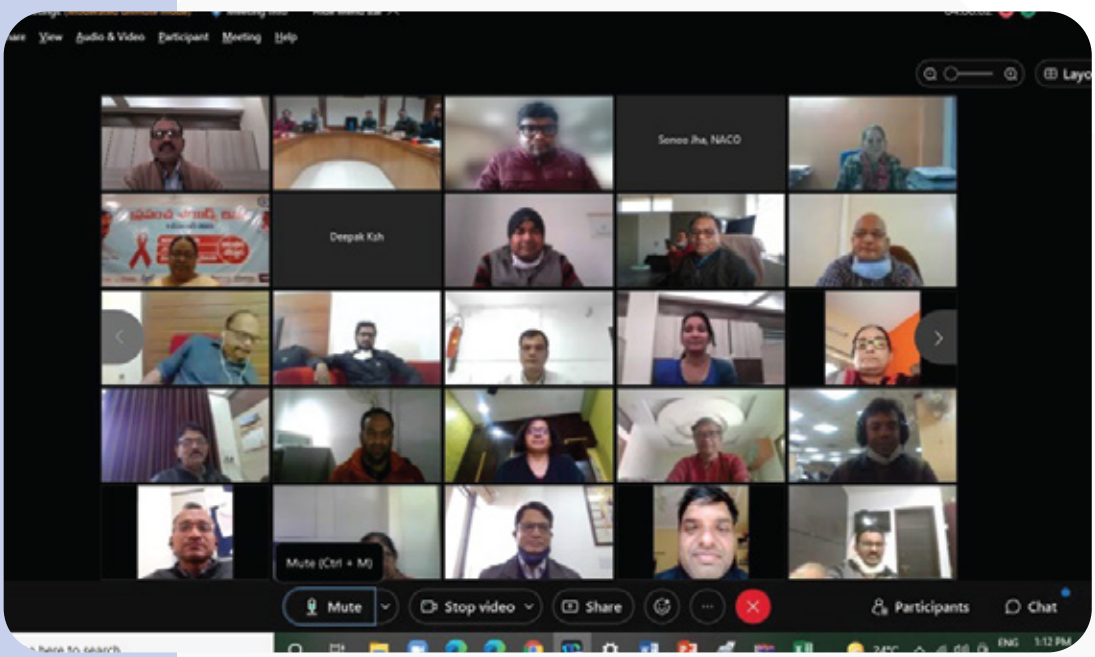

एड्सकॉन - 11

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के नेतृत्व में, चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 11 से 12 मार्च, 2022 को चंडीगढ़ में आयोजित 11वें एड्सकॉन का आयोजन किया गया। इस वर्ष के एड्सकॉन का विषय था, 'एड्स-मुक्त विश्व की ओर'।

इस दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको ने श्री यशपाल गर्ग, भारतीय प्रशासनिक सेवा, स्वास्थ्य सचिव, चंडीगढ़, डॉ. सुमन सिंह, स्वास्थ्य सेवाएँ निदेशक, चंडीगढ़, डॉ. अमनदीप कांग, परियोजना निदेशक, चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, और डॉ. शोभिनी राजन, डी.डी.जी., नाको के साथ किया। सम्मेलन में कुल 1,005 सहभागियों ने भाग लिया जिनमें नाको के अधिकारी, विकास भागीदार, शिक्षक समाज और शोध संस्थान, नागरिक समाज संगठन और समुदायों के लोग शामिल थे।

सम्मेलन में कुल 11 तकनीकी सत्र थे और एक ई-पोस्टर प्रस्तुतिकरण था, जिनमें एच.आई.वी./एड्स से संबंधित 14 क्लीनिकल और 15 सामाजिक नाम श्रेणियों को कवर किया गया। सम्मेलन के दौरान, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको और प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (एस.ए.जी.), नाको ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की, और एच.आई.वी. के प्रति उच्च जोखिम समूह और उससे एच.आई.वी. से प्रभावित लोगों तक पहुँचने के मार्ग को दोहराया। '2025 तक 95-95-95 लक्ष्यों तक पहुँचने' और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एच.आई.वी./एड्स को 2030 तक समाप्त करने' का संदेश भी सम्मेलन के विषय के साथ सामंजस्य में था।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम कार्यान्वयन में राज्यों के प्रदर्शन संकेतक

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की सफलता का श्रेय, सभी स्तरों यानि राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तरों पर कार्यनीति सूचनाओं के प्रभावी उपयोग को भी जाता है। अब हमने सार्वजनिक स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एड्स को वर्ष 2030 तक समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य को हासिल करने लिए कार्यवाही करने के एक नए दशक की शुरुआत कर चुके है। क्षेत्र स्तर पर कार्यक्रम के कार्यान्वयन को समझने के लिए विभिन्न निगरानी तंत्र मौजूद हैं।

इन मौजूदा तंत्रों के साथ-साथ, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों का स्कोरकार्ड सभी केंद्रों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में राज्यों के प्रदर्शन की समग्र तस्वीर प्रदान करता है। इससे वित्त वर्ष में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जिन क्षेत्रों में अधिक प्रयासों की आवश्यकता इसका भी विश्लेषन मिलता है।

अग्रलिखित विभिन्न सेवा श्रेणियों में कुल 32 संकेतकों का उपयोग किया गया है: सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) और मुख्य धारा

(एम.एस.), लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.), मूलभूत सेवाएँ, देखभाल सहायता एवं उपचार (सी.एस.टी.), प्रयोगशाला सेवाएं (एल.एस.), कार्यनीतिक सूचना, वित्त और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। कार्यक्रम आँकड़ों (वि.व. 2021-22, नवंबर तक) और दिसंबर 2021 तक की अन्य सूचनाओं के आधार पर एक स्कोरकार्ड तैयार किया गया है और सभी संकेतकों को समान महत्व दिया गया है।

अलग-अलग संकेतकों पर प्रदर्शन को इन 4 श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

- उत्तम (हरा, 3 अंक),
- औसत (पीला, 2 अंक),
- ख़राब (लाल, 1 अंक),
- लागू नहीं (कोई रंग नहीं - कोई अंक नहीं)

एच.आई.वी. की रोकथाम और देखभाल सातत्य के संपूर्ण विस्तार में शीर्ष 10 राज्य, वि.व. 2021-22

संकेतक		आंध्र प्रदेश	असम	चंडीगढ़	गोआ	गुजरात	हिमाचल प्रदेश	कर्नाटक	मणिपुर	मिज़ोरम	तमिलनाडु
आई.ई.सी. एवं एम.एस.	सोशल मीडिया अपडेट की बारंबारता (हरा = ≥60, पीला = 40-59, लाल = <40)										
	राज्य विद्यालयी पाठ्यचर्या में ए.ई.पी. एकीकरण की स्थिति (हरा = हाँ, लाल = नहीं)										
	एस.सी.ए. की स्थिति (हरा = 2017 से कम-से-कम एक बैठक आयोजित, पीला = हरे से इतर)										
	राज्य नियमों की स्थिति (हरा = अधिसूचित, लाल = अधिसूचित नहीं)										
	लोकपाल की स्थिति (हरा = नियुक्त, लाल = नियुक्त नहीं)										
टी.आई.	शामिल केंद्र (हरा = ≥95%, पीला = 90-94%, लाल = <90%)										
	अनुबंध में दिए गए लक्ष्य की तुलना में कवरेज (हरा = ≥95%, पीला = 90-94%, लाल = <90%)										
	एच.आई.वी. के साथ जी रहे और ए.आर.टी पा रहे एच.आर.जी. एवं बी.पी. (हरा = ≥95%, पीला = 90-94%, लाल = <90%)										
	ओ.एस.टी. पा रहे आई.डी.यू. (हरा = ≥95%, पीला = 90-94%, लाल = <90%)										
बी.एस.डी.	उन पी.एल.एच.आई.वी. का प्रतिशत जिन्हें अपनी स्थिति ज्ञात है (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - जी.सी. (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	लक्ष्य की तुलना में एच.आई.वी. परीक्षण - पी.डब्ल्यू. (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	ए.आर.टी. आरंभ करने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (हरा = ≥ 95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	जी.सी. में साथी का परीक्षण (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	एन.टी.ई.पी. को रेफ़र किए गए संदिग्ध टी.बी. मामलों का प्रतिशत (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	लक्ष्य की तुलना में डी.एस.आर.सी. में प्रबंधित क्लाइंट (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	सिफिलिस का परीक्षण करवाने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (हरा = ≥ 95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
सी.एस.टी. एवं एल.एस.	ए.आर.टी. आरंभ (चालू वि.व.) (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										
	नए ए.आर.टी. आरंभ के मामलों में एल.एफ़.यू. की दर (हरा = < 2%, पीला = 2-4%, लाल = ≥ 5%)										
	वि.व. के दौरान जीवित और ए.आर.टी. पा रहे पी.एल.एच.आई.वी. पर प्रगति (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)										

संकेतक		आंध्र प्रदेश	असम	चंडीगढ़	गोआ	गुजरात	हिमाचल प्रदेश	कर्नाटक	मणिपुर	मिज़ोरम	तमिलनाडु
	सी.एस.सी. की स्थापना की स्थिति (हरा = ≥95%, पीला = 80-94%, लाल = <80%)		लागू नहीं			लागू नहीं		लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	
	वी.एल. दमन दर (चालू वि.व.) (हरा = ≥95%, पीला = 85-94%, लाल = <85%)										
	प्रत्यायोजित एस.आर.एल. का % (हरा = 100%, पीला = 80-99%, लाल = <80%)										
	पुनर्परीक्षण में आई.सी.टी.सी. की सहभागिता (हरा = ≥95%, पीला = 85- 94%, लाल = <85%)										
समग्र	कुल स्कोर	96	93	96	96	93	96	93	93	93	96
	प्राप्त स्कोर	66	62	70	71	62	64	62	67	61	64

पुडुच्चेरि की स्टेट एड्स काऊंसिल की बैठक एच.आई.वी. और एड्स (निवारण और नियंत्रण) कानून के अंतर्गत शिकायत अधिकारियों का प्रशिक्षण

केंद्र शासित क्षेत्र - पुडुच्चेरि की स्टेट एड्स काऊंसिल (एस.सी.ए.) की पहली बैठक पुडुच्चेरि केंद्र शासित क्षेत्र के माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री एन. रंगस्वामी की अध्यक्षता में 17 फ़रवरी, 2022 को आयोजित हुई। बैठक में तिरु. सी. उदय कुमार, भारतीय प्रशासनिक सेवा, स्वास्थ्य सचिव-सह-अध्यक्ष, पुडुच्चेरि एड्स नियंत्रण सोसायटी (पी.ए.सी.एस.), डॉ. जी. श्रीरामलु, निदेशक (स्वास्थ्य) एवं उपाध्यक्ष, पुडुच्चेरि एड्स नियंत्रण सोसायटी, और अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने पुडुच्चेरि स्टेट एड्स नियंत्रण सोसायटी के प्रस्ताव को अनुमोदित किया और पुडुच्चेरि सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रस्तावित सहयोग के वर्धन के प्रावधानों की घोषणा की, जिसके अंतर्गत, पुडुच्चेरि केंद्र शासित क्षेत्र में एच.आई.वी. के साथ जा रहे व्यक्तियों के कल्याण हेतु सहायता पहुँचाने के लिए रु 1,57,60,000/- (एक करोड़ सत्तावन लाख साठ हज़ार) की धनराशि आवंटित की जाएगी।

एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत, पांडिचेरी ने कुल 427 शिकायत अधिकारी नियुक्त किए हैं। एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं पर शिकायत अधिकारियों के पहले बैच का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

नाको अधिकारियों का अंडमान व निकोबार द्वीप समूह और पश्चिम बंगाल का दौरा

वार्षिक कार्य योजना के अंतर्गत परिभाषित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा के लिए, नाको अधिकारियों ने 3 से 7 मार्च, 2022 को और 7 से 11 मार्च, 2022 को क्रमशः पश्चिम बंगाल राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और अंडमान और निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी का दौरा किया।

पश्चिम बंगाल में, दल ने विभिन्न राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम केंद्रों और टी.आई., यानि टीटागढ़ दरबार समिति, टीटागढ़, और उत्तरी 24 परगना के एस.डी.एच. अस्पताल स्थित आई.सी.टी.सी. केंद्र और डी.एस.आर.सी. का दौरा किया। उन्होंने कोलकाता चिकित्सा महाविद्यालय स्थित ओ.एस.टी. केंद्र, आई.सी.टी.सी. और डी.एस.आर.सी. का भी दौरा किया।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दल ने पोर्ट ब्लेयर, स्वराज द्वीप, शहीद द्वीप, गाराचार्मा और बैम्बूफ़्लैट स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में संचालित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम इकाइयों नामतः आई.सी.टी.सी. केंद्रों, ए.आर.टी. केंद्र और डी.एस.आर.सी. का दौरा किया। चिकित्सा अधिकारियों, आई.सी.टी.सी. परामर्शदाताओं, ए.एन.एम., स्टाफ़ नर्सों और समुदाय के लोगों के साथ एक संवादात्मक सत्र संचालित किया गया। यह चर्चा उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर, उच्च जोखिम में मौजूद लोगों तक पहुँचने की कार्यनीतियों पर, और चुनौतियों पर केंद्रित थी।

बिहार में एच.आई.वी. और एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत नामित लोकपाल और शिकायत अधिकारियों का उन्मुखीकरण

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी एच.आई.वी. और एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत नामित लोकपाल और शिकायत अधिकारियों के लिए एक राज्य-स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों और राज्य के ज़िला स्तरीय अधिकारियों का एच.आई.वी./एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत उनकी भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों के संबंध में संवेदीकरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अंशुल अग्रवाल, भा.प्र.से., परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने की और नाको के अधिकारियों ने सत्र प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिकायत निवारण तंत्र की प्रोटोकॉल के बारे में हितधारकों का संवेदीकरण करना, और एच.आई.वी./एड्स (निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अंतर्गत, एच.आई.वी. और एड्स से संक्रमित एवं प्रभावित लोगों के विरुद्ध लांछन और भेदभाव से जुड़े मुद्दों को संबोधित करना था।

दूसरा राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर शिखर सम्मेलन

नाको ने परियोजना 'वजूद' के अंतर्गत इंडिया एच.आई.वी./एड्स अलाइंस के सहयोग के साथ 3 व 4 मार्च, 2022 को आयोजित दूसरे राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर शिखर सम्मेलन में भाग लिया और उसका समर्थन किया। इस वर्ष के राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर शिखर सम्मेलन को पिछले वर्ष संचालित ट्रांसजेंडर शिखर सम्मेलन में पहचाने गए तीन मुख्य विषयक क्षेत्रों के आधार पर आयोजित किया गया; वे तीन मुख्य क्षेत्र थे (i) लिंग पुष्टिकारी चिकित्सा देखभाल और भारतीय संदर्भ में चिकित्सीय दृष्टि से अनुमोदित देखभाल मानक तक पहुँचने के लिए आवश्यक प्रोटोकॉलों का पालन कैसे करें; (ii) ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 और राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए क़ानूनी लिंग पुष्टिकारी प्रक्रियाएँ; और (iii) ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों के विरुद्ध हिंसा के मामलों पर ध्यान देना और उनका शमन करना।

डॉ. शोभिनी राजन, डी.डी.जी. नाको ने अपनी टिप्पणियों में इंडिया एच.आई.वी./एड्स अलाइंस को हितधारकों की स्वास्थ्य संबंधी और सामाजिक आवश्यकताओं को सामने रखने और भारत में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए लाभकारी समाधानों की सह-रचना करने के लिए हितधारकों से संवाद करने का अवसर प्रदान करने के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को हल करने में नाको को एक विशाल भूमिका निभानी है, और वह समुदाय के समग्र कुशलक्षेम के लिए अन्य मंत्रालयों और भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे संस्थानों के साथ लगातार भागीदारी कर रहा है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव का तीसरा चरण और आइकॉनिक वीक की झलकियाँ

नीति आयोग की 'आज़ादी का अमृत महोत्सव ' पहल की अनुरूपता में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने आइकॉनिक सप्ताह नामक एक और अभियान 3 से 9 जनवरी, 2022 तक मनाया जिसके अंतर्गत, राज्यों में कोविड स्थिति के नियमो को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों और महाविद्यालयों में विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। इन अभियानों के अंतर्गत, आर.आर.सी. के सदस्यों और 9 वीं तथा 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों में एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं जैसे चित्रकारी प्रतियोगिता, मास्क बनाओ प्रतियोगिता, बर्तन बनाओ प्रतियोगिता, रील बनाओ प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, और कई अन्य गतिविधियाँ।

सभी राज्यों द्वारा किए गए सह-रचना प्रयासों की कुछ झलकियाँ नीचे दी जा रही हैं।

चंडीगढ़

छत्तीसगढ़

पश्चिम बंगाल

ओडिशा

जम्मू व कश्मीर

गोआ

मध्य प्रदेश

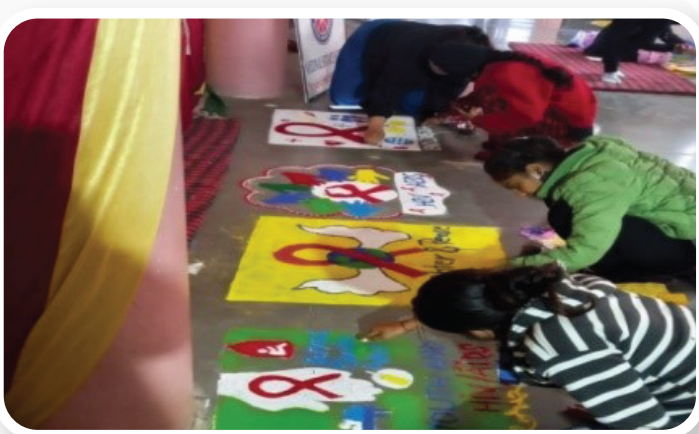

गुजरात

पंजाब

झारखंड

असम

हिमाचल प्रदेश

अंडमान और निकोबार द्वीप

मुख्य संकेतकों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की स्थिति

एच.आई.वी./एड्स महामारी पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की प्रतिक्रिया तीन भागों वाली व्यापक कार्यनीति रोकथाम, जांच और उपचार के महत्वपूर्ण सूचना शिक्षा संचार (आई.ई.सी.) प्रयोगशाला सेवाओं और कार्यनीतिक सूचना प्रबंधन पर आधारित है।

अप्रैल 2021 से दिसंबर 2021 की अवधि में, कार्यक्रम एच.आई.वी. के उच्च जोखिम समूह के 75.85 लाख लोगों तक पहुँचा और एच.आई.वी. की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार की सेवाओं के पैकेज के साथ उन्हें कवर किया। इस अवधि में कार्यक्रम ने लगभग 3.07 करोड़ एच.आई.वी. परीक्षण किए। इसमें, एच.आई.वी. के माता-से-शिशु संचरण को समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में लगभग 1.62 करोड़ गर्भवती महिलाओं के परीक्षण शामिल हैं।

दिसंबर 2021 तक के आँकड़ों के अनुसार, लगभग 15.29 लाख लोग (जिनमें निजी क्षेत्र के 1.06 लाख लोग शामिल हैं) निःशुल्क, आजीवन, रेट्रोवायरस-रोधी उपचार (ए.आर.टी.) ले रहे हैं। कार्यक्रम ने उपचार की प्रभावशीलता की निगरानी के लिए अप्रैल 2021 से दिसंबर 2021 के बीच लगभग 7.12 लाख वायरल लोड परीक्षण किए हैं।

वित्तीय वर्ष. 2021-22 (अप्रैल 2021 - दिसंबर 2021) के दौरान मुख्य संकेतकों पर स्थिति निम्नवत है:

SI-Programmen Mnitoring & Evaluation: Status of National AIDS Control Programme - Phase v during the FY 2021-22

Strategic Information - Programme Monitoring and Evaluation reports the progress towards the stated targets and goals periodically to the various National and International Forums. The Status on key indicators during the fy 2021-22 (April-December 2021) is presented below. The same will be updated periodically as appropriate.

Status on Key Indicators during the FY 2021-22 (April-December 2021)

State/UT	High Risk Group & Bridge Population Covered Through Target Intervention & Link Worker Scheme	STI/RTI patients managed at Designated STI/RTI Clinic	HIV Testing among 'at risk' Population (excluding pregnant women)	HIV positive results among 'at risk' Population (excluding pregnant women)	HIV testing among pregnant women	HIV positive result among pregnant women	% of HIV positive mothers initiated on lifelong ART	% of HIV exposed babies initiated on ARV prophylaxis	New registration of PLHIV at ART Center	PLHIV initiated on ART	PLHIV on ART (Cumulative)*	HIV-TB Cross referrals	Viral load tests conducted
Andaman & Nicobar Island	NA	2,046	12,078	14	3,225	3	0.00	NA	19	19	136	432	NA
Andhra Pradesh	3,81,794	4,38,904	7,12,685	7,962	6,22,132	853	>95	>95	9,826	9,635	1,99,572	95,189	1,24,765
Arunachal Pradesh	42,735	18,022	11,656	32	9,135	4	>95	>95	37	32	211	1,988	93
Assam	45,955	59,280	1,52,491	1,362	2,60,498	138	>95	>95	1,428	1,139	9,146	21,200	1,717
Bihar	1,56,773	1,67,980	3,92,786	4,581	12,74,166	432	80.3	82.8	6,430	5,850	66,090	84,518	17,789
Chandigarh	58,100	22,108	54,220	277	14,303	25	>95	83.3	339	297	5,732	2,026	3,956
Chhattisgarh	1,78,493	1,37,299	2,38,831	1,312	3,67,662	204	>95	91.4	15,15	1,345	17,645	28,731	6,620
Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu	NA	1,689	22,901	27	12,953	1	0.0	>95	27	27	208	769	386
Delhi	5,46,116	2,17,549	2,70,070	2,474	1,41,490	144	79.2	>95	2,959	2,676	36,977	41,975	14,426
Goa	59,400	32,358	38,252	144	21,053	11	90.9	>95	172	157	3,103	2,100	2,294
Gujarat	7,60,396	2,94,837	9,26,054	3,979	8,89,864	612	92.0	>95	4,833	4,509	77,572	1,40,143	42,270
Haryana	95,565	95,293	3,20,796	2,139	3,55,266	215	72.1	>95	3,175	3,094	22,734	49,276	3,526
Himachal pradesh	45,161	48,128	1,16,354	236	72,503	24	>95	>95	240	216	4,780	13,250	3,540
Jammu & Kashmir	51,528	4,367	1,30,806	187	1,29,909	18	88.9	84.6	196	185	3,045	8,846	1,165
Jharkhan	82,678	61,528	1,54,888	731	5,27,407	150	76.7	84.6	1,017	947	13,067	34,357	6,579
Karnataka	6,06,497	4,71,153	14,59,604	6,603	8,68,741	822	94.9	91.2	7,690	7,329	1,78,154	1,08,823	91,608
Kerala	3,59,574	1,23,879	3,28,568	549	2,88,406	40	95.0	>95	601	494	16,096	22,829	6,847
Ladakh	NA	NA	2,283	3	1,311	0	NA	NA	NA	NA	NA	174	NA
Madhya Pradesh	3,98,958	4,34,142	6,59,758	2,530	10,05,388	331	90.6	>95	2,969	2,763	2,763	1,15,652	15,859
Maharashtra	16,37,064	7,26,243	21,93,397	8,806	15,77,917	1,185	79.1	93.2	10,693	10,135	2,89,365	2,39,129	1,51,115
Manipur	64,265	34,869	41,716	431	20,204	66	81.8	>95	579	552	14,184	1,497	5,262
Meghalaya	3,435	11,311	29,325	466	40,816	160	85.6	>95	576	511	3,532	2,493	970
Mizoram	41,774	26,511	37,172	1,038	17,798	161	94.4	>95	1,238	1,216	12,640	2,552	3951
Nagaland	47,979	39,565	60,003	795	14,549	108	85.2	>95	1035	934	10,965	3,497	5,986
Odisa	1,72,581	1,57,763	6,61,053	1,381	5,19,465	192	75.0	87.5	1,506	1,430	22,273	81,091	5,782
Puducherry	22,126	16,142	67,010	103	21,930	17	47.1	>95	58	55	1,245	1,133	593
Punjab	1,86,529	1,37,359	4,88,506	4,972	2,73,156	435	86.7	88.8	6,709	6,604	48,725	41,659	13,488
Rajasthan	1,43,847	1,99,508	8,48,638	3,382	8,66,452	449	>95	>95	3,900	3,760	50,366	1,04,754	21,071
Sikkim	2,635	4,482	12,620	30	4,985	3	33.3	NA	27	23	246	743	229
Tamil nadu	3,45,969	3,65,540	18,18,946	3,539	8,72,977	546	>95	94.9	4,322	3,978	1,25,279	1,48,192	63,125
Telangana	3,09,299	2,14,284	3,43,255	4,672	5,16,123	483	89.9	88.0	5,840	5,579	1,13,444	52,028	40,370
Tripura	31,308	39,139	57,322	619	34,322	70	>95	72.2	702	693	2,624	2,474	1,018
Uttar Pradesh	2,88,359	5,44,501	7,07,929	6,638	34,78,694	708	92.8	81.2	8,254	7,912	95,237	2,93,231	35,418
Uttarakhand	2,18,201	99,096	88,619	530	1,17,107	39	69.2	66.7	754	592	4,495	14,133	3,356
West Bengal	1,99,169	1,47,758	10,46,764	2,599	9,88,388	328	93.0	>95	3,154	2,890	48,146	72,014	17,135
India	**75,85,262**	**53,94,633**	**1,45,07,356**	**75,143**	**1,62,30,295**	**8,977**	**90.1**	**92.5**	**92,820**	**87,578**	**15,29,511**	**18,32,918**	7,12,310

Note: * inclusive of 1.06 lakh PLHIV on ART in private sector

in A & N Island, Dadra & Nagar Haveli and Daman & DIU and Ladakh - there is no Target intervention and Viral Load faility. in Ladakh-there is no ART center and Designated STI/RTI Clinic in Ladakh - there is one Link ART center.

The Status on key indicators during the FY 2021-22 (April 2021 - December 2021) is:

अपर सचिव एवं महानिदेशक: श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ. शोबिनी राजन, उप महानिदेशक; डॉ. यू बी दास, उप महानिदेशक; डॉ. भावना राव, उप निदेशक; सुश्री निधि रावत, राष्ट्रीय सलाहकार (आईईसी और एमएस);

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ई-न्यूज़लेटर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का डिजिटल प्रकाशन है। छठी और नौवीं मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36-जनपथ, नई दिल्ली – 110001 दूरभाष: 011-43509999, फ़ैक्स: 011-23731746

हमारी वेबसाइट पर आएं: www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं उत्पादन: द विज़ुअल हाउस, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कृपया अपना सुझाव हमें nacoindianews@gmail.com पर भेजिए।

@NACOINDIA @NACOINDIA @NACO_INDIA @NACOINDIA AIDS Helpline 1097

Download NACO AIDS APP

Supported By | SHARE